ICAR-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर द्वारा ग्राम खेरदा में जैविक खेती एवं बागवानी विकास हेतु गोष्ठी-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (ICAR-IVRI), मुक्तेश्वर के प्रसार शिक्षा अनुभाग द्वारा दिनांक 06-10-2026 को ग्राम खेरदा में किसानों के लिए जैविक खेती एवं बागवानी विकास विषय पर गोष्ठी-सह-प्रदर्शन (Goshthi-cum-Demonstration) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. शेर सिंह के मार्गदर्शन में डॉ. मनीष तोमर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम ग्राम खेरदा को विकसित सीड विलेज के रूप में आगे बढ़ाने की दिशा में पूर्व में किए गए प्रयासों की निरंतरता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा ग्राम खेरदा को बागवानी फसलों के मॉडल गांव एवं भविष्य में ICAR-IVRI के प्रथम हॉर्टिकल्चर सीड विलेज के रूप में विकसित करने हेतु जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को अमरूद के 250 तथा नारंगी के 250, कुल 500 फलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कुल 58 किसानों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. मनीष तोमर द्वारा किसानों को अमरूद एवं नारंगी की वैज्ञानिक खेती के संबंध में पैकेज ऑफ प्रैक्टिस (POP) की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग, इसके लाभ, निर्माण एवं मृदा स्वास्थ्य में इसकी भूमिका के बारे में भी किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

डॉ. मनीष तोमर ने किसानों को प्रेरित किया कि वे पारंपरिक रासायनिक खेती पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों तथा अपने खेतों में बागवानी फसलों का विस्तार करें। किसानों ने कार्यक्रम में गहरी रुचि दिखाई तथा फलदार पौधों के प्रबंधन, अमरूद एवं नारंगी की खेती, जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्ट से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. करम चंद एवं डॉ. नितेश खरायत ने सह-समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों एवं बागवानी फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे ग्राम खेरदा को बागवानी आधारित टिकाऊ कृषि प्रणाली की दिशा में विकसित करने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. राघवेंद्र भट्ट ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रसार शिक्षा अनुभाग एवं समस्त टीम को बधाई दी तथा ग्राम खेरदा को भविष्य में ICAR-IVRI के प्रथम हॉर्टिकल्चर सीड विलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।